अंतर भारती

ANTAR BHARATI

हिन्दी मासिक

एकात्म भारत के पुनर्निर्माण के
युवा अभियान का सशक्त
अखिल भारतीय अभिव्यक्ति मंच

किसानों के कल्याण के लिए प्रबोधन व आंदोलन करते पू. साने गुरुजी - चित्र : शशिकांत, बालाजी, विजयकुमार

- वर्ष : ४६
- अंक : १२
- दिसंबर २०११
- ५ रूपये
- आजीवन : ५०० रूपये
- वार्षिक : ५० रूपये

संस्था परिचय

गांधी रिसर्च फाऊंडेशन, जलगाव.

जलगाँव जिले में जैन हिल्स पर गांधी रिसर्च फाऊंडेशन स्थित है. जिसकी स्थापना का उद्देश्य सत्य और अहिंसा मार्ग से भावी पीढ़ी को संस्कारित करना है.

कान्हदेश महाराष्ट्र का एक प्रमुख संभाग है. जो इसके उत्तर-पश्चिम सीमा से लगा हुआ है. इसकी भौगोलिक, सांस्कृतिक और पारम्परिक विशेषताएँ इस प्रदेश के अन्य संभागों से भिन्न हैं. इसी कारण इसे प्रशासनिक दृष्टि से स्वतंत्र इकाई बनाना पड़ा. इसके अन्तर्गत जलगाँव, धूलिया और नंदूरबार जिले आते हैं. इसी संभाग के जलगाँव जिले में जैन हिल्स पर गांधी रिसर्च फाऊंडेशन स्थित है. जिसकी स्थापना का उद्देश्य सत्य और अहिंसा मार्ग से भावी पीढ़ी को संस्कारित करना है. मानव कल्याण के लिए गाँधी जी ने रचनात्मक कार्यक्रम बनाए थे. जिससे भारतीय संस्कृति और परम्पराओं का उर्ध्वमुखी विकास होता है. किन्तु स्वतंत्रता के पश्चात विकास की यह धारा बाधित हुई और हम अपनी संस्कृति और संस्कार से दूर होते गए. यह फाऊंडेशन पुनः इस बाधित धारा को प्रवाहित करने और लोगों को उनकी संस्कृति और संस्कार से जोड़ने का प्रयास कर रहा है. यह पद यात्रा उसी की एक कड़ी है. जिसमें कान्हदेश के लोगों के बीच में अहिंसा और सद्भावना का विकास करने का प्रयास किया गया. यात्रा के समय लोगों से हिंसा का रास्ता छोड़कर प्रेमपूर्वक जीवन निर्वाह करने का निवेदन किया गया.

गांधी रिसर्च फाऊंडेशन को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के अनुसंधान केन्द्र के रूप में विकसित करने की योजना थी. इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए अन्तर्राष्ट्रीय मानक के अनुसार गांधीजी और उनसे सम्बंधित शोध सामग्री का संचयन किया गया है. इसके अलावा सम्पूर्ण विश्व में गांधीजी से सम्बंधित जो साहित्य यत्र-तत्र बिखरे पड़े हैं, उनको एकत्रित एवं संग्रहित किया जा रहा है. जिससे भावी पीढ़ी को गांधी मार्ग से संस्कारित किया जा सके और शोधार्थियों को विषय सम्बंधित सामग्री उपलब्ध कराई जा सके. संकलित गांधी साहित्य को सैकड़ों वर्ष तक संरक्षित और सुरक्षित रखने के लिए अभिलेखागार विभाग बनाया गया है. जो सामग्री को आधुनिकतम एवं वैज्ञानिक पद्धति से संरक्षित कर रहा है. जिससे विद्यार्थी और जिज्ञासु अनादिकाल तक अपनी जिज्ञासाओं का समाधान कर सकें.

गांधी रिसर्च फाऊंडेशन एक विश्वस्तरीय शोध संस्थान है. जो शोध के लिए सभी आवश्यक साहित्य और सहायक सामग्रियों के संचयन में लगा हुआ है. अभी तक इस संस्थान ने महात्मा गांधी से संबंधित ६३४५ से अधिक पुस्तकों का संचयन कर लिया है. अधिकांश पुस्तकों का प्रथम संस्करण उपलब्ध है. इसमें दुर्लभ पुस्तकें भी

सम्मिलित हैं. इसके अलावा गांधीजी ने समय-समय पर साप्ताहिक, पाक्षिक और मासिक पत्रों का सम्पादन भी किया है. जिनमें इंडियन ओपिनियन, यंग इंडिया, हरिजन सेवक, हरिजन बंधु, हरिजन पत्रिका-उर्दू, इंडियन सोशल रिफार्मर, नवजीवन के हिंदी, मराठी, गुजराती और अंग्रेजी संस्करण प्रमुख हैं. इन सभी समाचारपत्रों की मूल प्रतियाँ भी फाऊंडेशन के पास उपलब्ध हैं. गांधी जी के सम्पूर्ण जीवन (१८६९ से १९४८) के अनेक अवसरों पर लिए गए ३१६९ छायाचित्रों का दुर्लभ संकलन गांधी रिसर्च फाऊंडेशन द्वारा किया गया है. इन सभी छायाचित्रों को सर्चेबल मोड में डाल दिया गया है. इससे शोधार्थी और जिज्ञासु एक बटन क्लिक करके मनवांछित छायाचित्र देख लेते हैं. इन छायाचित्रों का विषय तथा संदर्भवार समूह तैयार किया गया है जिनका उपयोग विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर निःशुल्क प्रदर्शनी लगाने में किया जाता है. अभी तक ३२४४८ से अधिक पत्रों और दस्तावेजों का संग्रह किया जा चुका है. इनकी मूल प्रति से स्कॅनिंग करके दस्तावेज तैयार किये जाते हैं. जिन्हें शोधार्थियों को उपलब्ध कराया जाता है. महात्मा गांधी सम्पूर्ण विश्व का विकास और कल्याण चाहते थे, इसी कारण उन्होंने एक वैश्विक दर्शन इस दुनिया को दिया. उनकी इसी भावना से प्रभावित होकर विश्व के अनेक देशों ने उन पर डाक टिकट जारी किये हैं. फाऊंडेशन के पास विश्व के ११३ देशों से प्रकाशित टिकट हैं. इसके अलावा भारत सरकार द्वारा गांधी जी के चित्रों वाले सिक्के और नोट समय-समय पर जारी किए जाते रहे हैं. जिनका पूरा संकलन इस फाऊंडेशन के पास है. महात्मा गांधी के जीवन और उनके कार्यों से सम्बधित फिल्मों का संग्रह किया गया है. इस समय फऊंडेशन के पास ४७ डीवीडी फिल्म उपलब्ध है, जिसमें अंग्रेजी के ४४, हिन्दी के २५, गुजराती के १६, मराठी की १ और कोरियन भाषा की एक डीव्हीडी है. इसके अलावा गांधीजी की मूल आवाज में ४८ घंटे, ४८ मिनिट की ऑडियो कैसेट भी उपलब्ध है. फाऊंडेशन में एक ऑडिओ-वीडीओ, विजुअल रूम की भी व्यवस्था है. इसमें एक साथ ३१ लोग गांधी फिल्म देख सकते हैं.

यह फाऊंडेशन एक ट्रस्ट के द्वारा संचालित है, जिसके अध्यक्ष न्यायधीश चन्द्रशेखर धर्माधिकारी, संस्थापक अध्यक्ष एवं प्रमुख ट्रस्टी पद्मश्री डॉ.भवरलाल जैन, कुमार सप्तर्षी और अशोक जैन हैं. जैन हिल्स स्थित इस फाऊंडेशन में गांधी दर्शन संग्रहालय, दृकश्रव्य केंद्र, संशोधन केंद्र, अभिलेखागार विभाग, ग्रंथालय व प्रशिक्षण केंद्र हैं. आगामी वर्षों में विस्तारित उपक्रम के अंतर्गत ग्रामीण विकास कार्यक्रम ग्राम आधारित तंत्रज्ञान प्रशिक्षण, खादी और ग्रामोद्योग भंडार व प्राथमिक और माध्यमिक विद्यार्थियों के लिए विशेष उपक्रम संचालित किये जायेंगे.

संस्था के संबंध में अधिक जानकारी तथा अद्यतन सूचनाओं के लिए संस्था का वेबसाईट www.gandhifoundation.net देख सकते हैं.